लघु-स्तरीय मत्स्य पालन को आगे बढ़ाना

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

भारत ने [नीली अर्थव्यवस्था](#) के प्रतिअपनी प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हुए बांग्लादेश से **बंगाल की खाड़ी अंतर-सरकारी संगठन (BOBP-IGO)** की अध्यक्षता संभाल ली है।

- भारत का लक्ष्य **लघु-स्तरीय मत्स्य पालन (SSF)** की **आजीविका, स्थिरता और आर्थिक विकास** में सुधार करना है।
- **BOBP-IGO (वर्ष 2003) के बारे में:** यह **बंगाल की खाड़ी** में SSF को समर्थन देने वाला एक **क्षेत्रीय** मत्स्य पालन निकाय है।
  - इसके सदस्यों में **बांग्लादेश, भारत, मालदीव और श्रीलंका शामिल हैं**, जबकि इंडोनेशिया, मलेशिया, म्याँमार और थाईलैंड गैर-अनुबंधित सहयोगी पक्ष हैं।
- **SSF के बारे में:** SSF मत्स्यन करने वाले परिवारों द्वारा किया जाने वाला **पारंपरिक, कम पूंजी वाला मत्स्य पालन है,** जिसमें वे छोटे जहाज़ों (यदि कोई हो) का उपयोग करते हैं, तथा जीविका या वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिये **छोटी, निकटवर्ती यात्राएँ** करते हैं।

//

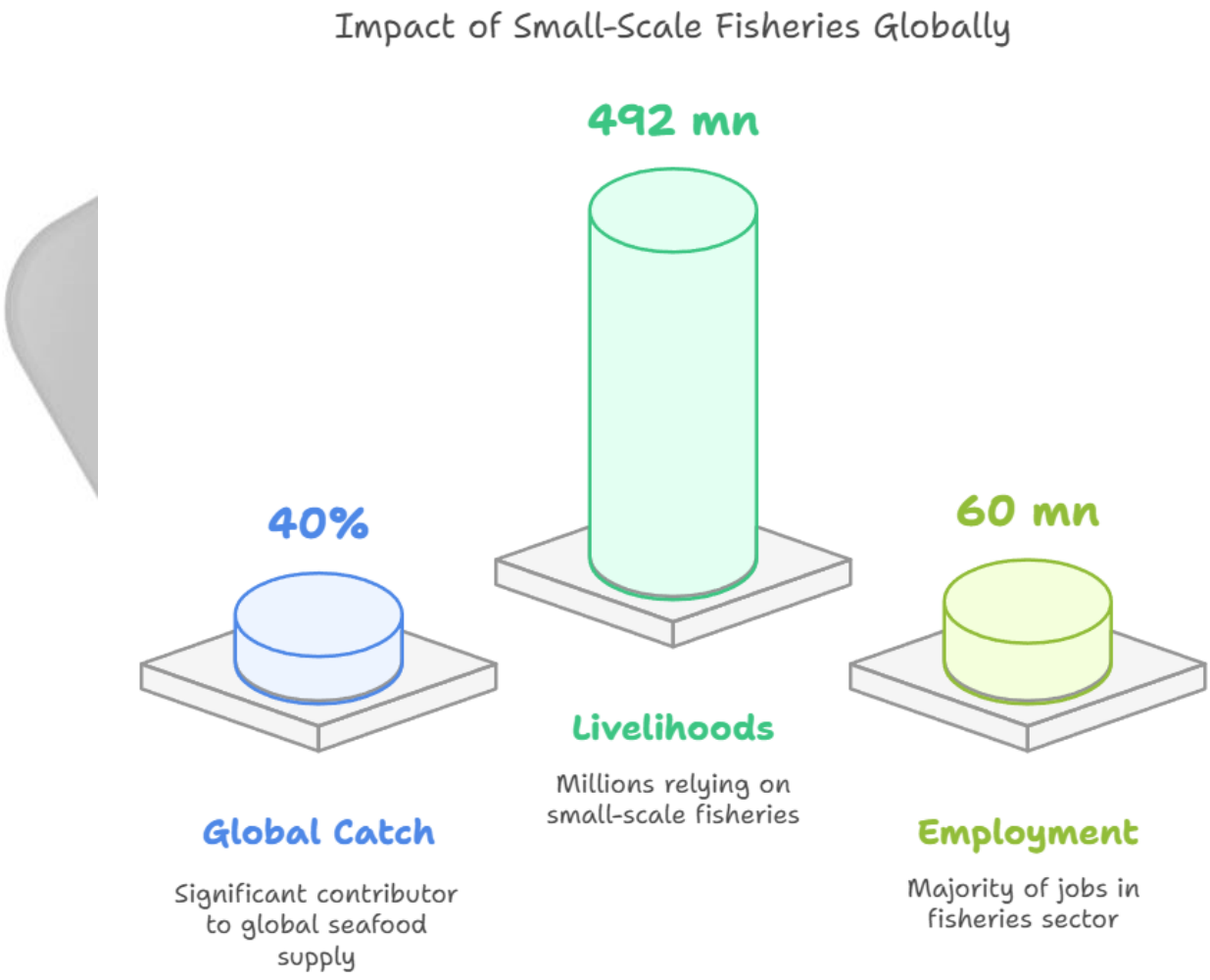

- **SSF का वैश्विक महत्त्व:**
    - **भारत में मत्स्य पालन क्षेत्र:** भारत विश्व का **दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश** है, जहाँ **28 मिलियन** लोग इस क्षेत्र में कार्यरत हैं।
    - भारत **छठा** सबसे बड़ा समुद्री मत्स्य उत्पादक **(कुल मत्स्य उत्पादन का 1/3)** है।
    - भारत में **13 तटीय राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं, 7,516 किलोमीटर** लंबी तटरेखा और 2.20 मिलियन वर्ग किलोमीटर का [विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ)](#) है।
    - भारत में **5 मिलियन सक्रिय समुद्री मछुआरे** हैं, जिनमें लगभग **50% कार्यबल महिलाएँ** हैं।

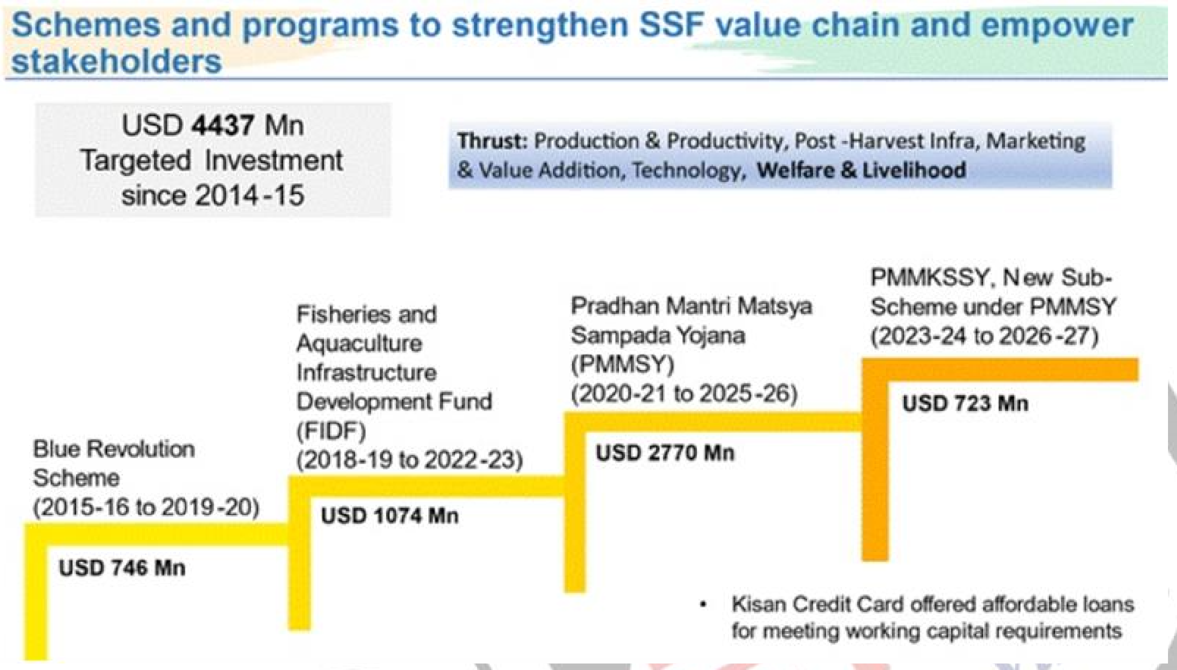

और पढ़ें: [मत्स्य पालन क्षेत्र में परिवर्तन](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/advancing-small-scale-fisheries